चश्मा बुक्स से
किस तरह फ़ायदा उठाएँ

https://chashmamedia.org/

हम चश्मा बुक्स से किस तरह सबसे ज़्यादा फ़ायदा उठा सकते हैं? चश्मा मीडिया क़ारिईन को कई-एक टूल्ज़ पेश करता है।

तबलीग़

यह किताबचे सादा उर्दू में ईसाई सच्चाइयाँ पेश करते हैं। एक मिसाल :

मेरी क्रिसमस

बड़े दिन का मतलब क्या है।

किताबे-मुक़द्दस की सेहत

बहुत-से मुसलमानों पर यह ग़लतफ़हमी सवार है कि किताबे-मुक़द्दस के मतन में हेरा-फेरी हुई है, लिहाज़ा वह क़ाबिले-एतबार नहीं है। दो किताबें इस क़िस्म के एतराज़ों का जवाब देती हैं :

तौरात और इंजील को समझना

जो पहली बार तौरातो-इंजील का मुतालआ करे वह बहुत-सारी बातें नहीं समझता। ख़तरा यह है कि वह कुछ सफ़हे पढ़ने के बाद तंग आ जाए। क्यों? इससे पहले कि वह मोटी बातें समझ पाए वह बारीक बातों में उलझ जाता है।

आओ, हम तौरातो-इंजील को समझें

तौरेतो-इंजील के 25 मरकज़ी हवाले जो नजात का रास्ता समझने में क़ारी की मदद करते हैं। सिर्फ़ किताबे-मुक़द्दस का मतन शामिल है।

कलीदे-ईमान : तौरात और इंजीले-शरीफ़ को समझने की कुंजी

तौरात और इंजीले-शरीफ़ का बुनियादी पैग़ाम क्या है? इसे समझने की कुंजी चार मरकज़ी उसूलों में पाई जाती है।

किताबे-मुक़द्दस की सच्ची कहानियाँ

तख़लीक़ से लेकर मसीह की इब्तिदाई जमातों तक की दिलचस्प कहानियाँ आसान उर्दू में सुनाई गई हैं। यह किताबे-मुक़द्दस का मतन नहीं है। (इसकी हार्ड कापी GWCS के दहली आफ़िस से मँगवाई जा सकती है। कॉपीराइट की वजह से इसकी डिजिटल कापी अपलोड करने की इजाज़त नहीं है।)

ज़िंदा कलाम सीरीज़

तौरेत और इंजील के मरकज़ी हवाले। तस्वीरों और सवालो-जवाब के साथ। (अब तक नामुकम्मल।) एक मिसाल :

ज़िंदा कलाम 1: तख़लीक़

कहानियाँ सुनाकर सच्चाइयाँ बयान करना

गहरी सच्चाइयाँ सिखाने का एक बढ़िया तरीक़ा यह है कि उन्हें कहानियों की सूरत में सुनाया जाए।

हर कहानी के आख़िर में किताबे-मुक़द्दस का हवाला पेश किया गया है। सबसे अच्छा तरीक़ा यह है कि पहले कहानी सुनाई जाए फिर उसकी कापी सुननेवाले को दी जाए ताकि वह इसे ख़ुद पढ़ ले। एक मिसाल :

अच्छा चरवाहा

यह किताबचे ख़ासकर उन सच्चाइयों पर ज़ोर देते हैं जिनसे क़ारी नावाक़िफ़ है। यहाँ इस पर ज़ोर दिया जाता है कि ख़ुदा एक अच्छा चरवाहा है जो हमारी बड़ी फ़िकर करता है।

आओ, ख़ुद देख लो सीरीज़

यह किताबचे भी सुनाने के लिए हैं। यूहन्ना की इंजील पर मबनी। (अब तक नामुकम्मल।)

हर कहानी के आख़िर में किताबे-मुक़द्दस का हवाला पेश किया गया है। सबसे अच्छा तरीक़ा यह है कि पहले कहानी सुनाई जाए फिर उसकी कापी सुननेवाले को दी जाए ताकि वह इसे ख़ुद पढ़ ले। एक मिसाल :

पकड़ा गया

ज़िनाकार औरत (यूहन्ना 8)।

सवानेह-उमरी (जीवन-कथा)

तौरेतो-इंजील के ऐसे किरदारों के बारे में किताबें जो इस्लाम में भी मशहूर हैं। मिसाल के तौर पर हज़रत मूसा, हज़रत यूसुफ़ और ईसा अल-मसीह। एक मिसाल :

हज़रत इब्राहीम

गीत

यह कैसा बादशाह

अकसर लोग गीत गाना पसंद करते हैं, लिहाज़ा गीत की यह किताब। हर गीत का यूट्यूब लिंक भी दिया गया है ताकि आप गीत आसानी से सीख सकें।

अल-मसीह की पैरवी मगर कैसे (शागिरदियत)

जहदे-मुसलसल : अल-मसीह की पैरवी

आपने ईसा मसीह के पैरोकार बनने के पहले अक़दाम उठाए हैं, और अब आप मालूम करना चाहते हैं कि यह नई ज़िंदगी कैसे गुज़ारें।

जन्नत और नजात का रास्ता

ज़िंदगी में सबसे अहम सवाल यह है कि मरने के बाद हम कहाँ जाएँगे? इस किताब में नजात की राह यों बयान की जाती है कि मुसलमान दोस्तों को भी समझ आए। तख़लीक़ से शुरू करके अल-मसीह और उसकी जमात तक पहुँचकर मुसन्निफ़ ईमान की मरकज़ी बातें पेश करते हैं। किताब की एक ख़ूबी वह अमली बातें हैं जो आख़िरी अबवाब में पेश की जाती हैं।

मोमिन का सफ़र

ईमानदार की ज़िंदगी आसमानी यरूशलम की तरफ़ सफ़र है। तजदीद और तक़दीस की यह सोच इस्लाम में पाई नहीं जाती, इसलिए यह किताब बहुत फ़ायदामंद हो सकती है।

मोमिन का सफ़र (मुख़तसर बयान)

यह किताब 'मोमिन का सफ़र' का मुख़तसर और आसान बयान है। जो असल को मुश्किल से समझ सके उसके लिए यह किताब बेहतर रहेगी। बच्चे भी इसे मज़े से पढ़ेंगे।

अल-मसीह की पैरवी क्यों करें (गवाही)

दूसरों की गवाही सुनने से हम समझ सकते हैं कि मसीह की पैरवी करने का क्या मतलब है। एक मिसाल :

करबला से मसीह तक

जमात की ख़िदमत

जमात की राहनुमाई

जमात की तरक़्क़ी के लिए सही राहनुमाई की अशद ज़रूरत होती है। तौरेत और इंजील के नमूनों की रौशनी में सेहतमंद राहनुमाई के उसूल सिखाए जाते हैं।